

129. = तस्मिन् zu dem hin: यद्यदेव हि वाञ्छेत ततो वाञ्छा प्रवर्तते
 HIT. I, 179. — 2) von daher, von da aus; an der Stelle, dort: तत् आ
 गच्छि RV. 3, 37, 11. 40, 9. 8, 80, 12. AV. 1, 10, 1. 3, 4, 2. 4, 19, 6. यतो दृष्टे
 यतो धीते ततस्ते निर्ह्वयामसि विष्म 7, 36, 3. यत्र यत्रासि निर्ह्विता तत्-
 स्वोत्थापयामसि 10, 1, 29. ततो ऽग्निमानयित्वेह SĀV. 3, 78. एकदा च निशि
 स्वैरं ततः प्रायात् VID. 278. यतो घृतेनानक्तं स्यात्ततः पुरोऽकाशस्य प्राञ्चि-
 यात् AIT. BR. 2, 23. 8, 10. विबुधाः सद्धिताः सर्वे यतः पुच्छं ततः स्थिताः
 MBH. 1, 1126. यतः कृत्तस्ततः सर्वे यतः कृत्तस्ततो जयः 7513. 6, 1583. 8,
 4434. dahin: यतः नेमं ततो गतुम् BRĀHMAN. 1, 20. यतो भगीरथो राजा त-
 तो गङ्गा — जगाम R. 1, 44, 34. यतश्च भयमाशङ्केततो विस्तारयेद्वलम् M. 7,
 188. यतो यतो — ततस्ततः woher —, wohin —, wo immer — von dort-
 her, dahin, dort: यतो यतो निःसरति मनः कामद्वतं भ्रमत् । ततस्तत उपा-
 कृत्य हृदि रुन्ध्याच्छनैर्बुधः ॥ BHĀG. P. 7, 15, 33. 9, 15, 31. यतो यतो पट्ट-
 णो ऽधिर्वर्तते ततस्ततः प्रेषितवामलोचना ÇĀK. 23. ततस्ततः von hier
 und von dort, hier und da, hierhin und dorthin, von allen Seiten, al-
 lerdings, überallhin: ततो दिव्यानि माल्यानि प्राडुरास्ततस्ततः MBH.
 3. 7111. नैशानि सर्वभूतानि प्रचरन्ति ततस्ततः R. 1, 33, 18. ततो दशरथ-
 स्त्रीणां प्राप्तद्विभ्यस्ततस्ततः — मन्दं प्रुञ्चन्तु तल्पितम् 2, 87, 18. 3, 62, 37.
 BHĀG. P. 3, 17, 10. फलानि च सुगन्धीनि भक्षितानि ततस्ततः INDR. 1, 26.
 यथा वायुर्जलधरान्विकर्षति ततस्ततः MBH. 13, 51. इतस्ततः von hier und
 von da: चन्द्रनागुरूकाष्ठानि समाद्रुक्रुरितस्ततः R. 6, 96, 2. 1, 31, 17. hier
 und dort 3, 61, 16. HIT. 20, 13. 22, 2. hierhin und dorthin, hin und her
 DRAUP. 8, 25. N. 10, 4. 13, 40. यतस्ततः von wo es auch sei, wo immer:
 अर्थेभ्यो हि विवृद्धेभ्यः संवृत्तेभ्यो यतस्ततः PĀNĀT. 1, 6. शिलोऽङ्कमप्याददीत
 विप्रो ऽन्निवन्यतस्ततः M. 10, 112. — 3) darauf, in Folge dessen. dann
 (क्यालारे und आनन्तर्ये H. an. und VIÇVA im ÇKDR.) ÇĀT. BR. 5, 1, 4, 1.
 M. 1, 6. 3, 253. N. 1, 18. 4, 21. HIT. 10, 1. 10. RAGH. 2, 30. VID. 93. 183.
 ततः oder ततः किम् was (geschah) dann? (dieses ist das ततः परिप्रश्ने
 H. an. VIÇVA) ÇĀK. 72, 4, v. l. ततस्ततः dass. HIT. 81, 2. पूर्वम् — ततः M.
 2, 60. ÇĀK. 189 (v. l. प्रथमम् — ततः). अये — ततः ÇĀT. BR. 14, 4, 2, 1. P.
 3, 4, 24, Sch. प्राक् — ततः — ततः — अतः परम् PĀNĀT. 241, 25. Häufig
 müssig. indem die Folge schon auf andere Weise (namentlich durch
 einen vorangehenden absol.) angedeutet ist: संनियम्य तु तान्येव ततः
 सिद्धिं नियच्छति M. 2, 93. 3, 251. 7, 59. 12, 11. N. 2, 9. 14. 4, 23. 7, 1. R. 1,
 2, 29. 8, 24. VID. 221. 324. तथा स काये निर्दग्धे मुच्यते कित्त्वियात्ततः M.
 11, 90. एवमुक्त्वास्तथा तेन — आनुकाव ततो धेनुम् R. 1, 32, 20. in Verbind.
 mit तदा: ततस्ता विदुता नार्यः सद्धैत्यगणास्तदा SUND. 4, 20. N. 1, 19, 2,
 2. 8, 24. 17, 34. DAÇ. 2, 16. VID. 328. mit अथ R. 1, 63, 9. VID. 176. ततः
 पश्चात् M. 3, 116. 117. Hip. 4, 16. R. 6, 1, 5. 16, 19. 96, 15. PĀNĀT. 21, 25.
 HIT. 17, 20, v. l. पुरम् — ततो ऽनु — इदानीम् AMAR. 66. ततः प्रभृति von
 dann an M. 9, 68. N. 2, 1. PĀNĀT. 3, 12. HIT. 23, 13. AMAR. 68. तत एत-
 र्हि ÇĀT. BR. 1, 4, 4, 15. तत इदानीम् ÇĀK. 30, 8. ततः तत्रात् sogleich dar-
 auf KATHĀS. 4, 76. 3, 75. ततः तत्रात् 12, 161. ततः परम् darnach, nachher,
 später: सरस्तदासाय वने च पुण्यं ततः परं किमकुर्वन्त MBH. 3, 1474. 1,
 7414. RAGH. 3, 39. In Correl. mit यद्: यज्ञं देवाः प्रपिबन्ति तत् आ प्या-
 यसे पुनः RV. 10, 83, 5. AV. 12, 4, 7. 8. 9. mit यत्र ÇĀT. BR. 1, 1, 4, 16. mit
 यदा N. 20, 27. R. 1, 60, 11. mit यदि KĀND. UP. 6, 16, 1. 2. BHĀG. 11, 4. N.
 4, 17. HARIV. 6827. PAT. zu P. 6, 4, 159. BHĀRTĀ. 1. 80. RAGH. 3, 65. ÇĀK. 3,

7, v. l. ÇUK. 43, 2. DHĀRTAS. 77, 14. P. 3, 3, 140. Sch. mit चेद् TAITT. UP. 2,
 6. ÇĀK. 71, 13, v. l. mit zu ergänzender Conditionalpartikel: प्राप्ताः श्रि-
 यः सकलकामदुघास्ततः किम् BHĀRTĀ. 3, 68. — 4) daher, darum, deshalb
 AK. 3, 3, 3. H. 1337. H. an. AV. 9, 2, 19. 6, 113, 1. 12, 4, 31. MBH. 12, 13626.
 HIT. 26, 22. 19, 2, v. l. H. 11. ततो ऽनुसंगृहीतो ऽस्मि यत्प्रतीतो मे भवान् R.
 6, 104, 31. — H. an. und VIÇVA geben dem Worte noch die Bedeutung
 von आदि (!).

तैत्स्व (von ततस्) adj. von dorthier kommend, — rührend P. 4, 2, 104,
 VĀRT. 1.

ततामर्हं (1. तत + मर्ह) m. Grossvater AV. 5, 24, 17. 18, 4, 76. KAUC.
 88. PĀR. GRHJ. 1, 5. BUÇG. P. 6, 9, 40. — Vgl. प्रततामर्ह.

1. तैत्ति (von 1. त) pl. sovieler Vop. 7, 94. nom. und acc. flexionslos, त-
 तिभिस्, ततिभ्यस्, ततीनाम्, ततिषु 3, 54. P. 1, 1, 23. 25. ततिं कीर्षाण
 AV. 12, 3, 2.

2. तति (von 1. तन्) f. P. 6, 4, 37, Sch. 1) Reihe, Schaar, dicke Masse
 H. 1423. विप्रबन्धं क्रियतां वराकृततिभिर्मुस्ताकतिः पत्त्वले ÇĀK. 39. वला-
 कृतततिः ÇIÇ. 4, 54. Vgl. तमस्तति. — 2) Opferhandlung, Cerimonie:
 उत्तरस्यां ततो ÇĀNKH. ÇR. 6, 1, 4. — Vgl. तति.

ततिर्थं (von 1. तति) adj. f. ई der sovielte, in Correl. mit यतिथ ÇĀT.
 BR. 1, 8, 4, 5.

ततिर्था (wie eben) adv. sovielfach AV. 12, 3, 2.

तैत्तुरि (von तत्) adj. P. 3, 2, 174, Sch. erhaltend, fördernd; überwin-
 dend: येषां शुष्मः पृतनासु साह्वान्प्र सृष्टो व्युष्ठा तित्ते ततुरिः RV. 6, 68,
 7. 4, 39, 2. Agni 1, 143, 3. Indra 6, 22, 2. 21, 2. 3डा ÇĀT. BR. 1, 8, 4, 22.
 ÇĀNKH. ÇR. 1, 11, 1.

तन्पि s. तात्पि.

ततोभवत् (ततम् + भवत्) m. der Herr von dorthier, der Herr da P. 5,
 3, 14, Sch. H. 336, Randgl. — Vgl. तत्रभवत्.

तत्करं (तद् + 1. करं) adj. f. आ eine bestimmte Arbeit thwend, bestimmte
 Dienste leistend P. 3, 2, 21. — Vgl. तत्क्रिय.

तत्कर्तव्यं (तद् + कर्त्) n. die den gegebenen Verhältnissen entspre-
 chende Handlungsweise: अपृच्छत्कर्तव्यं भयाकुला RĀGĀ-TAR. 6, 269. —
 Vgl. इतिकर्तव्य.

तत्कालं (तद् + कालं) 1) m. der betreffende Zeitpunkt, die in Rede ste-
 hende Zeit, = तदाव AK. 2, 8, 4, 29. H. 162. KĀTJ. ÇR. 1, 4, 15. VARĀH. LAGHŪ.
 2, 11. fgg. मुच्छत्समरिपूत्रैसर्गिकास्तत्काले च (संचित्य) BRH. 2, 48. तत्काल-
 लम् zu der Zeit, zu einer bestimmten Zeit ebend. GOM. 3, 3, 22. PĀR.
 GRHJ. 2, 11. sofort, unverzüglich, sogleich PĀNĀT. 192, 6. KATHĀS. 2, 83.
 VID. 11. 103. 108. 149. 194. 242. 304. तत्कालं jene Zeit im Gegens. zu
 एतत्कालं diese Zeit VEDĀNTAS. (Allah.) No. 97. — 2) adj. zu derselben Zeit
 —, sogleich vor sich gehend KĀTJ. ÇR. 1, 2, 22. 25, 1, 1. — Vgl. तात्कालिक.

तत्कालधी (तत्काल + धी) adj. Geistesgegenwart habend H. 344.
 तत्काललवणं (तत् + लवणं) n. ein best. künstlich zubereitetes Salz
 MOLESW. = विट्त्वण NIGH. PR. AINSLE 2, 41.

तत्क्रियं (तद् + क्रिया) adj. bestimmte Arbeiten thwend, bestimmte
 Dienste leistend, = कर्मकार AK. 3, 1, 19.

तत्तन्णं (तद् + तन्णं) m. 1) derselbe Augenblick H. 1332. तत्तन्णाम् adv.
 in demselben Augenblick, so eben, sofort, sogleich PĀNĀT. 69, 20. RAGH.